न्यूज डायरी

चीन संग मिलकर ग्वादर को दुबई बनाना चाहता था पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ग्वादर। पाकिस्तान ग्वादर को सिंगापुर या दुबई बनाना चाहता है लेकिन पिछले एक महीने से स्थ्यानीय जनता हजारों की तादाद में सड़कों पर उतरी हुई है। यह वही जगह है जहां सीपीईसी प्रॉजेक्ट के तहत चीन अरबों डॉलर का निवेश करके बंदरगाह बना रहा है। ग्वादर की जनता ग्वादर को हक दोश के नारे लगा रही है। इसके अलावा वे अवैध तरीके से मछली पकड़ने वाले जहाजों को रोकने की मांग कर रहे हैं जो उनकी आजीविका को तबाह कर रहे हैं। ग्वादर की जनता इमरान सरकार से ईरान के साथ व्यापार संबंधों में छूट और शहर में सुरक्षा चेक प्वाइंट में ढील देने की भी गुहार लगा रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक ग्ध्वादर में चल रहा विरोध प्रदर्शन इमरान सरकार और वहां की शक्तिशाली सेना के लिए खतरे की घंटी की तरह से है। ग्वादर में पहले भी इस तरह के विरोध प्रदर्शन होते रहे हैं।

यूएई ने अमेरिका को दिया 23 अरब डॉलर का झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। संयुक्त अरब अमीरात ने अमेरिका को बड़ा झटका देते हुए एफ–35 लड़ाकू विमानों और ड्रोन सौदे को लेकर चल रही बातचीत को रोक दिया है। यह सैन्य सौदा करीब 23 अरब डॉलर का था। खाड़ी देशों में अमेरिका के प्रमुख सहयोगी यूएई के साथ इस दुर्लभ विवाद से बाइडन प्रशासन को करारा झटका लगा है। यूएई के अमेरिका स्थित दूतावास ने ऐलान किया कि वह बाइडन प्रशासन के साथ बातचीत को रोक रहा है। इस ऐलान के बाद भी यूएई और अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के बीच अन्य मुद्दों पर इस सप्ताह बातचीत तय कार्यक्रम के मुताबिक होगी। दूतावास ने कहा कि अमेरिका आगे भी पसंदीदा रक्षा उपकरण प्रदाता बना रहेगा और भविष्य में एफ–35 लड़ाकू विमानों के लिए बातचीत फिर से शुरू हो सकती है। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहने के दौरान कार्यकाल के अंतिम दिनों में 50 एफ–35 लड़ाकू विमानों को लेकर समझौता हुआ था।

टिम्बकटू में नौ साल तक क्या कर रही थी फ्रांसीसी सेना ?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बमाको (माली)। फ्रांसीसी सेना अफ्रीकी देश माली के टिम्बकटू शहर से रवाना हो गई। फ्रांसीसी सैनिकों ने उत्तरी माली में स्थित टिम्बकटू शहर के सैन्य अड्डे को खाली कर दिया है। माली फ्रांस का उपनिवेश रह चुका है और इस्लामी चरमपंथियों को खदेड़ने के लिए करीब नौ साल पहले फ्रांस ने अपनी सेना को वहां पर भेजा था। फ्रांस के इस कदम पर सवाल उठने लगे हैं और कहा जा रहा है कि क्या माली की सेना खुद कार्रवाई कर चरमपंथियों को रोक पाने में सक्षम है। वह भी तब जब आतंकियों ने साल 2013 के हमले के बाद से खुद को मजबूत किया है और देश के दक्षिणी इलाके में अपनी पहुंच को बढ़ाया है। इस खतरे के बीच फ्रांस की सेना ने एक बयान जारी करके दावा किया कि माली की सेना की 'टिम्बकटू में अच्छी पकड़ है।'

विज्ञानियों ने विकसित किया कोविड संक्रमण को रोकने वाला मालिक्यूल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। विज्ञानियों ने एक ऐसा मालिक्यूल विकसित किया है, जो सार्स सीओवी–2 वायरस की सतह से जुड़कर उसे मानव कोशिकाओं में प्रवेश करने से रोकता है और कोविड का प्रसार नहीं होने देता। डेनमार्क स्थित आरहूस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पाया कि मालिक्यूल (अणु) का निर्माण उस एंटीबाडी से आसान व किफायती है, जिसका इस्तेमाल फिलहाल रैपिड एंटीजन टेस्ट व कोविड के इलाज में किया जा रहा है। पीएनएएस नामक पत्रिका में मंगलवार को प्रकाशित अध्ययन में इस मालिक्यूल (अणु) के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। यह यौगिकों की एक श्रेणी से संबंधित है, जिसे आरएनए एप्टैमर्स कहा जाता और उसी प्रकार के बिल्डिंग ब्लाक्स पर आधारित है, जिनका इस्तेमाल एमआरएनए वैक्सीन के निर्माण के लिए किया गया है। वह विशेष लक्षित मालिक्यूल की पहचान करता है।

तिब्बत पर दलाई लामा से बात करे बाइडेन प्रशासन

अनुरोध

अमेरिकी सांसदों की मांग पर चीन का भड़कना तय, उठा सकता है कड़ा कदम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिकी सांसदों के दो पार्टियों वाले एक प्रभावशाली समूह ने बाइडेन प्रशासन से तिब्बत के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के साथ बात करने का अनुरोध किया है। उन्होंने अमेरिका से तिब्बत के मुद्दे को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की है। सांसदों ने कहा है कि ऐसी नीति बनाने की आवश्यकता है जो तिब्बत की विशिष्ट राजनीतिक, जातीय, सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को मान्यता दे।

पंचेम लामा को मोहरा बनाना चाहता है चीनः तिब्बत पर कब्जे के 70 साल बाद भी चीन की पकड़ उतनी मजबूत नहीं हो पाई है, जितना चीनी कम्युनिस्ट पार्टी चाहती है। इसी कारण जिनपिंग प्रशासन अब तिब्बत में धर्म का कार्ड खेलने की तैयारी कर रहा है। चीन अगले दलाई लामा के चयन में तिब्बती लोगों को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहा है। इसलिए, यहां के लोगों के बीच अपनी पैठ बनाने के लिए चीन अब पंचेन लामा का सहारा लेने की तैयारी कर रहा है।

कौन हैं पंचेन लामाः तिब्बती बौद्ध धर्म में दलाई लामा के बाद दूसरा सबसे अहम व्यक्ति पंचेन लामा को माना जाता है। उनका पद भी दलाई लामा की तरह पुनर्जन्म की आस्था पर आधारित है। कहा जाता है कि आज से 26 साल पहले चीनी अधिकारियों ने पंचेन लामा का अपहरण कर लिया था। अपहरण के समय पंचेन लामा की उम्र सिर्फ छह साल की थी। वे अब 32 साल के हो चुके हैं। चीन उन्हें दलाई लामा की जगह बौद्ध धर्म का सबसे बड़ा नेता बनाने की कोशिश में जुटा है।

दलाई लामा के उत्तराधिकारी को चुनना क्यों जरूरी?: तेनजिन ग्यात्सो, जिन्हें हम 14वें दलाई लामा के नाम से जानते हैं, वे इस साल जुलाई में 86 साल के हो गए हैं। उनकी बढ़ती उम्र और खराब होती सेहत के बीच अगले दलाई लामा के चुनाव को लेकर भी घमासान मचा हुआ है। तिब्बती बौद्ध धर्म में दलाई लामा को एक जीवित बुद्ध माना जाता है जो उनकी मृत्यु के बाद पुनर्जन्म लेते हैं। परंपरागत रूप से जब किसी बच्चे को दलाई लामा के पुनर्जन्म के रूप में चुन लिया जाता है, तब वह अपनी भूमिका को निभाने के लिए धर्म का विधिवत अध्ययन करता है।

चीन खुद चुनना चाहता है अगला दलाई लामाः चीन ने ऐसे संकेत दिए हैं कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी का चयन चीन ही करेगा। चीन की इन चालाकियों को देखते हुए दलाई लामा नजदीकियों ने पहले ही बताया है कि परंपरा को तोड़ते हुए वे खुद अपने उत्तराधिकारी का चयन कर सकते हैं। अमेरिका पहले ही इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सामने रखने की मांग कर चुका है। इस पूरे मामले पर अमेरिका और भारत की पहले से नजर है। पिछले साल US दूत सैम ब्राउनबैक ने धर्मशाला में दलाई लामा से मुलाकात की थी। 84 वर्षीय दलाई लामा से मीटिंग के बाद ब्राउनबैक ने कहा था कि दोनों के बीच उत्तराधिकारी के मामले पर लंबी चर्चा हुई थी।

पाकिस्तान के 56 टैंकों का काल बन गए थे भारत के टी–55 टैंक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ढाका। भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद बुधवार को बांग्लादेश के दौरे पर ढाका पहुंच गए। राष्ट्रपति कोविंद वर्ष 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की आजादी के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेंगे। भारतीय राष्ट्रपति अपने साथ टी–55 टैंकों का मॉडल भी लेकर पहुंचे जिसने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तान के टैंकों की कमर तोड़ दी थी। भारतीय टैंकों ने 1971 के इस युद्ध में पाकिस्तान के 58 टैंकों को तबाह कर दिया था।

वर्ष 1960 और 1980 के दशक में टी–55 टैंक पाकिस्तान सैनिकों के लिए दहशत की वजह बन गए थे। सीमा पर इसकी दहाड़ मात्र को सुनकर पाकिस्तानी कांप उठते थे। इस टैंक ने भारत की सेना में करीब 40 साल सेवा दी थी। टी–55 टैंक करीब 37 टन वजनी होते थे और 100 मिलीमीटर क्षमता की गन से लैस होते थे। इसमें 7.62 कैलिबर की दो मशीन गन लगी होती थी। इसमें एक 2.7 उउ की एंटी एयरक्राफ्ट गन लगी होती थी। यह टैंक 27.6 लंबा और 10. 8 फुट चौड़ा होता था। यह टैंक 9 फुट ऊंचा होता था। इसमें रात में देखने के उपकरण लगे थे और परमाणु, जैविक और रसायनिक हमले में यह सुरक्षित रहता था।

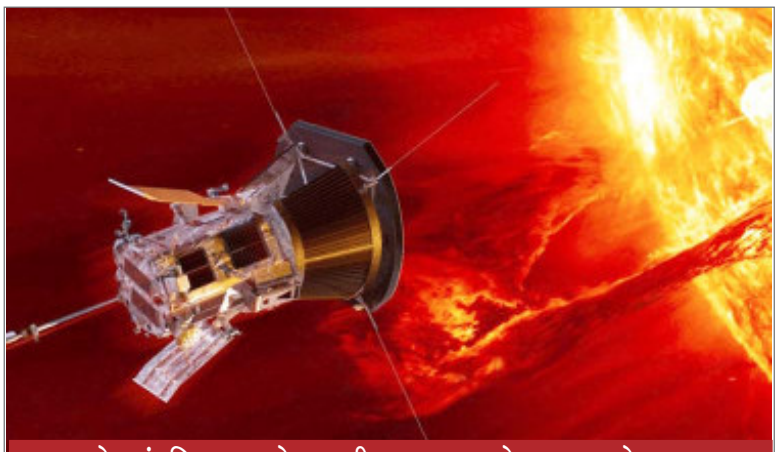

नासा के अंतरिक्षयान ने पहली बार धधकते सूरज को छुआ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। नासा के अंतरिक्षयान द पार्कर सोलर प्रोब ने पहली बार सूरज का स्पर्श किया है। इस प्रोब ने अब तक अनछुए रह चुके सूरज के वातावरण (कोरोना) में गोता लगाया। नासा के वैज्ञानिकों ने गुरुवार को अमेरिकी जिओफिजिकल यूनियन की बैठक के दौरान इस शानदार उपलब्धि का ऐलान किया। दरअसल, पार्कर सोलर प्रोब अप्रैल महीने में सूरज के पास से अपनी 8वीं यात्रा के दौरान कोरोना से होकर गुजरा था। वैज्ञानिकों ने कहा कि उन्हें इस प्रोब से मिले आंकड़ों को पाने में कई महीने लग गए और इसके बाद कई महीने इसकी पुष्टि करने में लग गए। जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के इस प्रॉजेक्ट के वैज्ञानिक नोउर रावउफी ने कहा, यह दिलचस्प और रोचक है।

दुनिया के सबसे प्रशंसित पुरुषों की सूची जारी, पीएम मोदी को चार पायदान का नुकसान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। ब्रिटिश मार्केट रिसर्च कंपनी ल्वनळवअ ने साल 2021 के दुनिया के सबसे प्रशंसित पुरुषों और महिलाओं की सूची को जारी किया है। इस सूची में पिछले बार की तरह इस बार भी अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा शीर्ष पर काबिज हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार पायदान खिसकते हुए आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं। बड़ी बात यह है कि इस सूची के टॉप 10 में एक साल बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की वापसी हुई है।

महिलाओं की लिस्ट में बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ओबामा लगातार तीसरी साल पहले स्थान पहले नंबर पर बराक ओबामा और उनकी पत्नी पर बनीं हुई हैं। दूसरे स्थान पर एंजलीना जोली, तीसरे पर क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय और चौथे पर ओप्रा विन्फ्रे हैं। टॉप 10 में प्रियंका चोपड़ा, एम्मा वॉटसन और मलाला यूसुफजई का नाम भी शामिल है। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को इस सूची में 11वां स्थान मिला है।

पीएम मोदी चार पायदान फिसले, 8वां स्थान मिलाः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2021 के दुनिया के सबसे प्रशंसित पुरुषों की सूची में चार स्थान नीचे खिसके हैं। 2020 की सूची में पीएम मोदी चौथे स्थान पर काबिज थे। तब उनके कुल अंक 4.7 था, जो इस बार 3. 6 हो गया है। शीर्ष पर काबिज बराक ओबामा को भी पिछले साल के मुकाबले इस बार नुकसान उठाना पड़ा है। 2020 के सर्वे में उनके कुल अंक 8.9 था, जो इस बार घटकर 7.8 हो गया है।

टॉप 10 में रूसी राष्ट्रपति पुतिन की वापसीः रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक साल बाद दुनिया के 10 सबसे प्रशंसित पुरुषों की सूची में फिर से शामिल हो गए हैं। 2020 के सर्वे में पुतिन को 3.3 अंकों के साथ 12वां स्थान मिला था। इस बार वे 3.4 अंकों के साथ 9वें नंबर पक काबिज हैं। 69 साल के पुतिन ने अलीबाबा समूह के संस्थापक जैक मा को पछाड़कर दो पायदान ऊपर चढ़े हैं।

अमेरिका ने बंधुआ मजदूरी के खिलाफ पास किया कानून

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। चीन में उइगर मुस्लमानों पर अत्याचार रोकने के इरादे से अमेरिका के हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव ने एक कानून पास किया है। इस कानून का मकसद बंधुआ मजदूरी के तहत बने सामान के आयात पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना है। सदन में इस कानून से जुड़े अंतिम संस्करण को भी पारित कर दिया गया है। इससे चीन के शिंजियांग प्रांत में उइगर मुस्लमानों से बंधुआ मजदूरी करा के बनाए जा रहे सामान के आयात पर रोक लगेगी। ध्वनि मत के माध्यम से सदन में यह कानून पारित किया गया, जिसके बाद अब इसे सीनेट में विचार के लिए भेजा गया है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, इस कानून की मदद से शिंजियांग उइगर प्रांत से सीधे आयात होने वाला सामान या उइगर, कजाख, किर्गिज, तिब्बतियों के साथ चीन में अन्य उपेक्षित वर्गों द्वारा बनाए गए सामान के आयात पर रोक लगाना है। साथ ही यह कानून अमेरिकी राष्ट्रपति को मुस्लिम अल्पसंख्यकों को सताने और बंधुआ मजदूरी को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है।